दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास

मई – 2009

समय –10.00 बजे से 1.00 तक ।

दिनांक :23/05/2009

उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा

विषय–हिन्दी (वैकल्पिक), प्रश्न पत्र–3

शीर्षक :आधुनिक हिंदी एकांकी

समय – 3 घंटे

पूर्णांक : 75

**I. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए : *3x10=30***

1. हिंदी नाटक के विकास पर एक सारगर्भित लेख लिखिए ।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र का परिचय देते हुए अंधेर नगरी एकांकी की समीक्षा कीजिए ।
3. जोंक एकांकी की कथावस्तु बताते हुए इसकी मूल समस्या पर प्रकाश डालिए ।
4. भोर का तारा एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।
5. सिकंदर एकांकी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

**II. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए : *4x5=20***

1. अंधेर नगरी एकांकी में चौपट राजा का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
2. जगदीश चंद्र माथुर का जीवन परिचय दीजिए ।
3. गांधारी एकांकी में चित्रित द्रौपदी का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
4. यक्ष प्रश्न एकांकी के पात्रों का परिचय दीजिए ।
5. वापसी एकांकी के पात्र असगर एवं मकसूद के चरित्र की तुलना कीजिए ।
6. सिकंदर एकांकी का अपने शब्दों सारांश मे लिखिए ।

**III. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *5x5=25***

1. यह देश जो स्वर्ग के तमाम पदार्थों से ठसाठस भरा है और जिसके वासियों ने इसे प्रत्यक्ष नरक बना रखा है ।

P.T.O.

**अथवा**

अच्छा, देवताओं की जेठी संतान । उनके मुख से पैदा हुए घमंडी बालकों ! तुम तो सृष्टि के क्रम को देवताओं की तरह जानते होंगे । देवताओं ने पहले क्या उत्पन्न किया, विश्राम या संघर्ष–दिन या रात ?

2. माँ का गौरव पृथ्वी से भी अधिक भारी है । पिता आकाश से ऊँचा है । मन वायु से भी तेज चलने वाला है ।

**अथवा**

प्यास और पानी दो अलग वस्तुएँ हैं, दोनों का योग किसी तीसरी चीज़ से हैं । प्यास भीतर है पानी बाहर है । तुम प्यासे हो ! ..... प्यास क्या है ? पानी कहाँ है ?

3. कौन चाहता था कि धर्म की जीत नहीं हो । धर्म की विजय ठीक है । पर.....पर क्या उस निर्दयी धर्म को मेरे प्रिय पुत्रों के ही प्राणों कि बलि लेनी थी ? एक बार .....एक बार वह धर्म मेरे सामने तो आए, उसे भींच कर मार न दूँ ...

**अथवा**

यह उसका अधिकार है । हर जीतने वाले को विजय का डंका बजाने का अधिकार होता है ।

4. चुप रहो ! उन्होंने हमारे साथ कौन–सा अच्छा सलूक किया है । ये रियासत वाले हर मुल्क में अपना उल्लू सीधा करने के लिए आपस में लड़ा करते हैं और लोगों को परेशान करते हैं ।

**अथवा**

आप इसकी बिल्कुल चिंता मत कीजिए । देश के लिए हम बड़े–से–बड़ा बलिदान करने को तैयार हैं। किसके हैं, यह बाद में देखा जाएगा । आप ट्रेक्टर मंगवाकर कटवा डालिए ।

5. नहीं कुंवर ! तुम कभी रात में अकेले नहीं जाओगे । चारों तरफ़ जहरीले सर्प घूम रहे हैं । किसी समय भी तुम्हें डस सकते हैं ।

**अथवा**

हाँ हाँ जल्दी करो, मैं कहता हूँ, नई साडी पहनने की जरूरत नहीं, तुम सचमुच मैके नहीं जा रही हो । और वे हमारे पडोसी तुम्हें इन कपड़ों में कई बार देख चुके हैं ।